प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER
परीक्षा : हायर सेकण्डरी

कक्षा :– XI **पूर्णांक :– 100**

विषय :– हिन्दी सामान्य **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10 अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** पद्यांश की व्याख्या, सौन्दर्य बोधएवं विषयवस्तु पर प्रश्न	25	8	3	1	–	4
2.	**गद्य खण्ड –** अर्थग्रहण एवं विषयवस्तु पर प्रश्न	25	8	3	1	–	4
3.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास–** कहानी एवं एकांकी विकासक्रम	05	1	1	–	–	1
4.	**व्याकरण भाषा बोध –** भाषा बोध, शब्द निर्माण, उपसर्ग, प्रत्यय सन्धि, समास, विलोम, पर्यायवाची, भाव पलवन/भाव विस्तार, मुहावरे /लोकोक्तियाँ	20	8	3	–	–	3
5.	**अपठित बोध –** गद्यांश एवं पद्यांश	10	–	–	2	–	2
6.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
7.	**निबन्ध लेखन**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**10**	**05**	**01**	**16+5 = 21**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोट :– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) अन्य इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न-पत्र

हिन्दी सामान्य

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

निर्देश :–

1. आरंभ में दिये गये 1– 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल करें।
2. प्रश्न क्रमांक– 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न के लिए **5 अंक** (X5X5 = 25) निर्धारित है।
3. प्रश्न क्रंमाक 6 से लेकर 15 तक के लिए **4 अंक** निर्धारित है।
4. प्रश्न क्रंमाक 16 से 20 तक के लिए **5 अंक** निर्धारित है।
5. प्रश्न क्रमांक 21 (निबंध लेखन) का उत्तर 250 शब्दों तक लिखने का प्रयास करें। जिसके लिए **10 अंक** निर्धारित है।

प्रश्न (1) वस्तुनिष्ट प्रश्नः–

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों के आधार पर कीजिए – 1X5X5 = 25

1. .....उपन्यास सम्राट के नाम से विख्यात है। (प्रेमचन्द्र/जयशंकर प्रसाद)
2. श्रीराम के बाल रूप का वर्णन..... ने किया है। (सूरदास/तुलसीदास)
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार हिन्दी साहित्य के इतिहास को.....भागों में विभक्त किया गया है। (चार/पांच)
4. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्वों को..... कहते है। (अंलकार/समास)
5. भक्तिकालीन साहित्य में ..... की आराधना की गई है। (ईश्वर/राजा)

प्रश्न 2. नीचे दिये गए वाक्यों के लिये सही विकल्प चुनिए–

1. "उलाहना" कविता में रमलू भगत प्रतीक है–
   (अ) निम्न वर्ग का (ब) उच्च वर्ग का
   (स) सामान्य वर्ग का (द) मध्य वर्ग का
2. भारतेन्दु युग का नामकरण किस साहित्यकार के नाम पर किया गया है।
   (अ) हरिश्चन्द्र (ब) जगदीश चन्द्र
   (स) रामचन्द्र (द) प्रेमचन्द्र
3. "अथ काटना कुत्ते का भइया जी को" रचना में तत्व की प्रधानता है–
   (अ) सरल वर्णन (ब) हास्य
   (स) व्यंग्य (द) हास्य व्यंग्य

4. कविता में प्रत्ययांत का अर्थ होता है–

(अ) प्रत्यय से अन्त हाने वाला (ब) प्रत्यय से शुरु होने वाला

(स) प्रत्यय के मध्य वाला (द) प्रत्यय के प्रारंभ और अंत वाला

5. "जिसका कोई शत्रु न हो" उसके लिए एक शब्द है–

(अ) शत्रुहीन (ब) अजातशत्रु

(स) अशत्रु (द) शत्रुवाला

प्रश्न 3. "क" स्तम्भ से "ख" स्तम्भ का मिलान कर सही जोड़ी बनाइये –

क स्तंभ	ख स्तंभ
1. धर्म की झांकी	1. शिक्षा
2. विवेकानंद	2. आत्मकथा
3. "गिरी" प्रत्यय	3. अंलकार
4. इबादत	4. कुलीगिरी
5. उपमा	5. पूजा

प्रश्न 4. एक शब्द में उत्तर दीजिए –

1. महादेवी वर्मा का संस्मरण किस के जीवन से सम्बन्धित है ?
2. माखन लाल चतुर्वेदी ने 'उलाहना' कविता में किसे उलाहना दिया है ?
3. मिठाईवाला बच्चों के लिए क्या लाता था ?
4. बिहारी ने अपनी रचना किस छंद में की हैं ?
5. तुलसीदास के आराध्य कौन से देवता थे ?

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य कथन छाँटिए –

1. वे शब्द जो शब्दांश के अन्त में लगकर शब्द के अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं। प्रत्यय कहलाते है। (सत्य/असत्य)
2. सूरदास ने राम की सम्पूर्ण लीलाओं का वर्णन किया है। (सत्य/असत्य)
3. "राजेन्द्र बाबू" महादेवी वर्मा द्वारा लिखित अविस्मरणीय संस्मरण है। (सत्य/असत्य)
4. एकांकी का सामान्य अर्थ है "एक अंक वाला"। (सत्य/असत्य)
5. ऐसे शब्द जो परस्पर समान अर्थ का बोध कराते है, विलोम शब्द कहलाते है। (सत्य/असत्य)

प्रश्न 6. अ – राजेन्द्र तथा विद्यालय शब्द की संधि विच्छेद कीजिये 4

ब – निम्नलिखित का समास विग्रह कीजिये

(1) कमल मुख, (2) माता पिता

प्रश्न 7. अ – "ता" तथा "पन" प्रत्यय लगाकर एक–एक शब्द बनाईये। 4

ब – सम्पन्न एवं नीति शब्द का विलोम लिखिये।

स – आनंद एवं "ईश्वर" शब्द के पर्यायवाची लिखिए

द – "प्रति" एवं "परा" उपसर्ग लगाकर एक–एक शब्द बनाईये।

प्रश्न 8. अ – निम्नलिखित का भाव पल्लवन कीजिये 4

''रूपया तुमने नहीं खाया रूपया तुम्हें खा गया''।

ब – निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(1) आकाश के तारे तोड़ना (2) कमर कसना

प्रश्न 9. कहानी की परिभाषा लिखिये तथा प्रमुख तत्वों का उल्लेख करते हुए दो प्रमुख कहानीकारों के नाम लिखिये। 4

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने भागों में बाँटा गया है प्रत्येक का नाम सन् तथा एक–एक कवि का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 10. तुलसीदास के अनुसार जीवन का सर्वोत्तम फल क्या है? 4

अथवा

अपना देश संवारे कविता में कर्म को कवि ने किन रूपों में व्यक्त किया है?

प्रश्न 11. बिहारी ने अपने दोहों के माध्यम से सज्जन के प्रेम की क्या विशेषताएं बताई है? 4

अथवा

माखन लाल चतुर्वेदी जी ''उलाहना'' कविता के माध्यम से अमीरों से उनके जीवन में किस तरह के परिवर्तन की आकांशा करते है?

प्रश्न 12. आग में पड़ी धरती से कवि का क्या आशय है? 4

अथवा

नई इबारत कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

प्रश्न 13. सिद्ध कीजिये कि दो बैलों की कथा अपने उद्देश्य में पूर्णतया सफल कहानी है? 4

अथवा

मिठाईवाला कहानी के आधार पर मिठाई वाले की चरित्रगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 14. शक्तिसिंह के स्वभाव में परिवर्तन क्यों आया। 4

अथवा

राजेन्द्र बाबू की सह धर्मिणी के गुणों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 15. गांधीजी की दृष्टि में सर्वधर्म समभाव का उदय किन प्रसंगों की प्रेरणा से हुआ था। 4

अथवा

कुंभाराम स्वयं को आस्तिक क्यों मानता था?

प्रश्न 16. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – 5

मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम
जिस पर नीलम नम आच्छादन
निरूपम हिमांत से स्निग्ध–शांत
निज शोभा से हरता जन–मन।।

अथवा

अधर धरत हरि कै परत, ओठ–दीठि–पट–जोति।
हरित बाँस की बाँसुरी, इन्द्र धनुष रंग होति।।

प्रश्न 17. "शिक्षा" पाठ के आधार पर शिक्षा के संबन्ध में स्वामी विवेकानंद के विचार स्पष्ट कीजिए। 5

प्रश्न 18. अधोलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5

वन– उपवन पनप गए सब।
कितने नव अंकुर आए।
वे पीले–पीले पल्लव
फिर से हरियाली लाए।
वन में मयूर अब नाचें।
हँस–हँस आनन्द मनाएं
उनकी छवि देख रही है
नभ से घनघोर घटाएं

प्रश्न– 1. उक्त पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए?

प्रश्न– 2. मोर अपनी प्रसन्नता किस प्रकार व्यक्त करता है?

प्रश्न– 3. आकाश से बरसाती बादल कौन सा दृश्य देख रहे हैं ?

प्रश्न 19. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5

"संस्कार ही शिक्षा है। शिक्षा मानव को मानव बनाती है। आज के भौतिकवादी युग में शिक्षा का मुख्य उद्देश्य सुख पाना रह गया है। अंग्रेजों ने इस देश में अपना शासन व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए ऐसी शिक्षा को उपयुक्त समझा किन्तु यह विचार धारा हमारी मान्यता के विपरीत है। आज की शिक्षा प्रणाली एकाकी है, उसमें

व्यावहारिकता का अभाव और काम के प्रति निष्ठा नहीं है। प्राचीन शिक्षा प्रणाली में आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक जीवन की प्रधानता थी। यह शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं जीवन को सही दिशा प्रदान करने के लिए भी थी। अतः आज के परिवेश में यह आवश्यक हो गया है कि इन दोषों को दूर किया जाए। अन्यथा यह दोष हमारे सामाजिक जीवन को निगल जाएगा।

प्रश्न–1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ?

प्रश्न–2. गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न–3. भौतिक वादी युग से क्या तात्पर्य है।

प्रश्न–4. वर्तमान शिक्षा प्रणाली को दोषपूर्ण क्यों कहा गया है?

प्रश्न 20. अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद–पत्र लिखिए? 5

अथवा

चुनाव के दिनों में आपके शहर की दीवारें नारें लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हो गई है। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी समाचार–पत्र के संपादक को पत्र लिखिए?

प्रश्न 21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

1. पराधीन को सुख नहीं।
2. प्रदूषण– एक समस्या।
3. शिक्षक एवं शिक्षार्थी।
4. जल संरक्षण आज की आवश्यकता।

आदर्श उत्तर

हिन्दी सामान्य

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

उत्तर 1. अ. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

1. प्रेमचन्द्र
2. तुलसीदास
3. चार
4. अंलकार
5. ईश्वर

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन कीजिये –

1. अ
2. अ
3. द
4. अ
5. ब

उत्तर 3. सही जोड़ी मिलान कीजिए–

1. धर्म की झाँकी	–	1. आत्मकथा
2. विवेकानन्द	–	2. शिक्षा
3. "गिरी" प्रत्यय	–	3. कुली गिरी
4. इबादत	–	4. पूजा
5. उपमा	–	5. अंलकार

उत्तर 4. एक शब्द में उत्तर दीजिये –

1. डॉ राजेन्द्र प्रसाद
2. उच्चवर्ग
3. मिठाई
4. दोहा
5. श्रीराम

उत्तर 5. द. सत्य/असत्य का चयन किजिये।

1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य 5. असत्य

उत्तर 6. अ. संधि विच्छेद – (1) राजेन्द्र – राज+इन्द्र = राजेन्द्र (गुण संधि)

(2) विद्यालय – विद्या+आलय = विद्यालय (दीर्घ संधि)

ब. समास विग्रह – (1) कमल मुख – कमल जैसा मुख – (कर्मधारय समास)

(2) माता पिता – माता और पिता (इन्द्व समास)

उत्तर 7. अ. **प्रत्यय–**

ता –सफलता, विफलता

पन –बचपन, लड़कपन

ब. **विलोम शब्द–** सम्पन्न – विपन्न

नीति – अनीति

स. **पर्यावाची शब्द**– आनंद – प्रसन्न, हर्ष, प्रमोद।

ईश्वर– भगवान, ईश, परमेशर।

द. **उपसर्ग** – प्रति – प्रतिकूल, प्रतिनिधि।

परा–पराजय, पराक्रम आदि।

उत्तर 8. अ – भाव पल्लवन – "रुपया तुमने नही खाया, रुपया तुम्हें खा गया"।

इस पंक्ति के माध्यम से इस कहावत को चरितार्थ किया गया है कि बाप बड़ा न भइया सबसे बड़ा रुपया। आज मनुष्य का जीवन केन्द्रवत हो गया है उसके जीवन का प्रमुख लक्ष्य धन कमाना बन गया है मनुष्य धन बनाने की मशीन जैसा हो गया है। जीवन का वास्तविक आनंद विलुप्त सा हो गया है जीवन में सुख–दुःख, परोपकार, न्याय–नीति, वात्सल्य, प्रेम, वीरता एवं देश भक्ति के भाव के लिए कोई स्थान नहीं रह गया है केवल हाय, हाय करना रह गया है। कहने का तात्पर्य यह है कि "रुपया तुमने नहीं खाया, रुपया तुम्हें खा गया।" अर्थात धन नष्ट नहीं हुआ बल्कि तुम्हारा चरित्र नष्ट हो गया।

ब – मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग –

1. आकाश के तारे तोड़ना – अर्थ– अंसभव कार्य करना।

प्रयोग – प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करना आकाश के तारे तोड़ने के समान है।

2. कमर कसना – अर्थ– दृढ़ निश्चय करना।

प्रयोग– भारत ने पाकिस्तान को मैच में हराने के लिए कमर कस ली।

उत्तर 9. जो कुछ कहा जाए वही कहानी है। कहानी वास्तविक जीवन की ऐसी काल्पनिक कथा है, जो छोटी होते हुए पूर्ण और सुसंगठित होती है? कहानी के निम्नलिखित तत्व है?

1. कथानक
2. पात्र या चरित्र चित्रण
3. संवाद अथवा कथोप–कथन
4. देशकाल
5. भाषा शैली
6. उद्देश्य

दो प्रमुख कहानीकार – प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद यशपाल आदि।

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास को चार भागों में बाँटा गया है।

1. वीरगाथा काल – स. 1050 – 1375
2. भक्तिकाल – स. 1375 – 1700
3. रीतिकाल – स. 1700 – 1900
4. आधुनिक काल – स. 1900 – अब तक

प्रत्येक के एक–एक कवि –

1. चन्द बरदायी, नरपति नाल्ह 2. सूरदास, तुलसीदास कबीर, जायसी
3. बिहारी, भूषण 4. प्रसाद, पन्त, निराला

उत्तर 10. तुलसी के अनुसार जीवन का सर्वोत्तम फल राम के बाल रूप और बाल मनोविनोद से अनुराग रखना है।

अथवा

"अपना देश संवारे" कविता में कवि ने नव युवकों को कर्म पथ पर सतत् चलने का व्रत ले कर चुनौतियों का सामना करने पर बल दिया है। कवि का कथन है कि अपने कार्य के माध्यम से व्यक्ति, समता, मानवता एवं बाधा रहित मार्ग को प्रशस्त करे तथा देश की उन्नति में योगदान दे।

उत्तर 11. बिहारी ने अपने दोहों के माध्यम से सज्जन के प्रेम को चमकदार एवं स्थायी प्रभाव वाला बताया है। सज्जनों का प्रेम रंगीन कपड़ों के समान होता है। जो फटने के बावजूद रंग नही छोड़ता है।

अथवा

माखनलाल चतुर्वेदी जी ने अमीरों से अपेक्षा की है कि वे जन सामान्य के दुख–दर्द का अनुभव करे, छोटों के साथ घुल–मिलकर जीवन जिंए तथा अपनी शक्तियों का उपयोग कुटिया में रहने वालों के लिए करें जिससे समाज का समग्र विकास हो सके।

कवि ने क्रांतिकारियों के बलिदान को स्मरण करने तथा विकास के कार्यो में हाथ बटाने का भी अमीरों से आग्रह किया है।

उत्तर 12. आग में पड़ी धरती से कवि का तात्पर्य यह है कि शासक अभिचारी और विलासी हो गया है वह अपना प्रजाहित में कार्य न कर केवल तलवार की ताकत से अंतिम सत्ता को सुरक्षित रखता है। ऐसे निरंकुश शासक का प्रतिकार कवि, कलाकार एवं उज्जवल चरित्र के धनी, ज्ञानी व्यक्ति ही कर सकते है। जब तक चरित्रवान कलाकारों और

बुद्धिमानों का समाज में सम्मान नहीं होगा तब तक आग में पड़ी धरती कराहती रहेगी और उसका भार कम नहीं होगा।

अथवा

नई इबारत कविता के माध्यम से कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने व्यक्ति को निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। निष्क्रीय रहने के कारण हमारा जीवन अर्थ पूर्ण नहीं हो पाता है कुछ रचते हुए और कर्मरत रहकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। प्रकृति की कर्मशीलता से प्ररेणा लेकर जीवन में कठिनाईयों का सामना दृढ निश्चय से करते हुए आगे बढना ही श्रेयस्कर है इसी में जीवन की सार्थकता है। इस प्रकार निरन्तर कार्यशील होने के महत्व को कवि ने प्रतिपादित किया है।

उत्तर 13. दो बैलों की कथा प्रेमचन्द्र की मार्मिक कहानी है। प्रेमचन्द्र जी ने इस कहानी के माध्यम से मानवीय आचरण और अनुभूति को मनुष्य एवं पशुओं में समान रूप से चित्रित किया है। कहानीकार यह बताने में सफल रहा है कि सामान्य मनुष्य की तरह पशुओं में हर्ष विषाद, सुख–दुख और अपने पराए की अनुभूति होती है। हीरा और मोती नाम के दो बैलों के माध्यम से कथाकार ने मनुष्य और पशु के बीच संवेदना स्थापित की है तथा जीवन मूल्यों का विस्तार किया है।

अथवा

मिठाई वाले की चारित्रिक विशेषताएं निम्नानुसार है–

1. संवदेनशीलता 2. सर्मपणशीलता 3. वात्सल्यता
4. विनम्रता 5. संघर्षशीलता 6. आत्मीयता

उत्तर 14. शक्तिसिंह के स्वभाव में परिवर्तन परिस्थिति वश आया है। शक्तिसिंह स्वभावतः देश के प्रति निष्ठा न रखने वाले व्यक्ति थे। किन्तु महाराणा प्रताप के अद्‌भुत संघर्ष, देश भक्ति का उत्कृष्ट भाव, पराक्रम को देखकर शक्तिसिंह को अपनी कायरता एवं गद्‌दारी से ग्लानि हुई तथा उसने अपने स्वभाव के विपरीत अपने भाई महाराणा प्रताप की जीवन रक्षा के लिये अपना संकल्प बदल दिया।

अथवा

राजेन्द्र बाबू की सहधर्मिणी एक सामान्य महिला के रूप में कार्य करती थी। रसोई घर में स्वयं खाना पकाती थी। सभी को खाना खिलाती थी तथा अन्त तक सामान्य भारतीय गृहिणी के समान पति, परिवार तथा परिजनों को खिलाने के उपरान्त स्वयं ग्रहण करती थी।

उत्तर 15. गांधी जी की दृष्टि में सर्वधर्म सद्भावना का उदय उनके उदार पारिवारिक वातावरण के कारण हुआ। उसमें से कुछ प्रसंग इस प्रकार है –

1. उनके घर में रामायण का पारायण होता था।
2. एकादशी के दिन व्रत रखा जाता था।
3. राजकोट में सब सम्प्रदायों के प्रति समान भाव रखने की प्रेरणा मिलती थी।
4. उनके माता–पिता वैष्णव मंदिर शिवालय में और राम मंदिर में भी जाते थे।
5. गांधीजी के पिता के मुस्लिम एवं पारसी मित्र भी थे।

इन्हीं कारणों से गांधीजी में सर्वधर्म समभाव का उदय हुआ।

अथवा

कुंभाराम प्रतिदिन सुबह स्नान करके मंदिर जाता। सारे रास्ते में जोर–जोर से चिल्लाकर श्लोक पढ़ता था। उसने जंगल की ठेकेदारी की कमाई से गांव में मंदिर व एक धर्मशाला का निर्माण कराया था। इसके अलावा उसके गले पर तुलसी की ढेर सारी माला, माथे पर चंदन का तिलक लगा रहता था। इन्हीं कारणों से कुंभाराम स्वयं को आस्तिक मानता था।

उत्तर 16. पद्यांश की व्याख्या – संदर्भः– प्रस्तुत पंक्तियां प्रकृति के सुकुमार कवि श्री सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित "ग्राम–श्री" पाठ से अवतरित हैं।

प्रसंग– इन पंक्तियों में ग्राम के सौन्दर्य का सजीव वर्णन किया गया है।

व्याख्या – पन्त जी का कथन है कि नील मणि के डिब्बे के समान खुला सुन्दर सा ग्राम नीले आसमान से आच्छादित है। गाँव सुन्दर बर्फ के समान कोमल शांत अपने आप में स्वयं की सुन्दरता को समेटे हुए ग्रामीण जन को लुभाने वाला सा प्रतीत होता है।

अथवा

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश प्रसिद्ध कवि बिहारी द्वारा रचित ''बिहारी के दोहे'' से अवतरित किया गया है।

प्रसंग– इन पक्तियों में कवि ने श्रीकृष्ण की बांसुरी के बदलते स्वरूप का वर्णन किया है।

व्याख्या– श्रीकृष्ण जब अपने ओठों पर हरे बांस की बासुरी को रखते है तब वह बांसुरी इन्द्र धुनष के समान प्रतीत होती है।

प्रश्न 17. गद्यांश की व्याख्या – स्वामी विवेकानन्द ने शिक्षा के स्वरूप और उसके उद्देश्य को मोलिक रूप से व्यक्त किया है उनका मानना है कि विश्व का असीम ज्ञान मनुष्य के मन में समाहित है और शिक्षा इसी ज्ञान का अनावरण करती हैं। शिक्षा सकारात्मक सोच को जगाती है और यह सोच ही मनुष्य की प्रतिष्ठा का आधार है। शिक्षा जीवन

निर्माण और चरित्र निर्माण में विशेष सहायक है। स्वामी विवेकानंद की दृष्टि में शिक्षा मानसिक बल बढ़ाकर बुद्धि का विकास करती है।

उत्तर 18. अपठित पद्यांश –

1. उचित शीर्षक – ''पावस ऋतु'' या ''वर्षा ऋतु'' अथवा इससे मिलता जुलता कोई अन्य शीर्षक हो सकता है।
2. मोर अपनी प्रसन्नता नृत्य करके व्यक्त करता है।
3. आकाश से बरसाती बादल वन–उपवन में नए अंकुरों पीले–पीले पत्तों, हरियाली तथा मोर के सुन्दर नृत्य का दृश्य देख रहे हैं।

उत्तर 19. अपठित गद्यांश –

1. उचित शीर्षक – शिक्षा या अन्य कोई मिलता जुलता शीर्षक हो सकता है।
2. शिक्षा हमें सम्पूर्ण मानव बनाती है आज की शिक्षा प्रणाली में समग्रता का अभाव है तथा एकाकी पन को बढ़ावा देने का भाव है। आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा नौकरी का माध्यम न हो कर ज्ञान और विवेक का माध्यम बने।
3. भौतिक वादी युग से तात्पर्य सुख पाना मात्र रह गया है।
4. वर्तमान शिक्षा प्रणाली हमें सम्पूर्ण मनुष्य न बनाकर केवल नौकरी पाना तक ही सीमित कर देती है। इसलिए वर्तमान शिक्षा प्रणाली को दोषपूर्ण कहा गया है।

उत्तर–20. पत्र लेखन अथवा आवेदन पत्र।

प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ पर सानंद हूँ आशा है तुम भी कुशलतापूर्वक होगे। मेरे जन्मदिन पर तुम्हारे द्वारा दिया गया उपहार प्रेमचन्द जी का साहित्य देखकर हमारे सभी मित्र बहुत प्रसन्न हुए इस उपहार की उन्होंने खुलकर प्रशंसा की, मुझे भी तुम्हारा उपहार प्रेरणादायक लगा क्योंकि प्रेमचन्द जी का साहित्य हमारे लिये अनोखा और आश्चर्य जनक था।

मेरे माता–पिता भी तुम्हारे इस उपहार को देखकर अत्यधिक प्रसन्न हुए और तुम्हारी इस रूचि की उन्होंने बहुत सराहना की। मैं ह्रदय से तुम्हें धन्यवाद देता हूँ।

अपने माताजी– पिताजी को मेरा प्रणाम। छोटू एवं पिंटू को प्यार।

तुम्हारा मित्र

अ.ब.स

प्रति,

राकेश भार्गव

3/17 तुलसी नगर, भोपाल

अथवा

प्रति,

सम्पादक महोदय,

दैनिक.....

जबलपुर(मध्यप्रदेश)

महोदय,

निवेदन है कि आप अपने लोकप्रिय समाचार पत्र में मेरी इस समस्या को प्रकाशित करने की कृपा करे। प्रायः देखा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दल चुनाव के द्वारा निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्णतया पालन नही करते। शहर की सुन्दरता को स्थान–स्थान पर नारे लिखकर तथा पोस्टर चिपका कर गंदा कर देते है। सुन्दर सी दीवारों पर बद्नुमा धब्बे देख कर मन खिन्न हो जाता है। सुन्दर शहर को इस तरह से गंदा करने की प्रवृत्ति निश्चित रूप से सही नहीं है।

अतः आपके समाचार पत्र के माध्यम से शासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ कि नारे लिखना एवं पोस्टर चिपकाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें।

धन्यवाद।

दिनांक –

भवदीय

अ.ब.स

उत्तर 21. निबन्ध लेखन के अन्तर्गत मौलिकता को ध्यान में रख कर दिये गये बिन्दुओं के आधार पर छात्र विस्तार देने का प्रयास करेंगे।

1. विषय की प्रस्तावना।
2. विषय का महत्त्व।
3. विषय में सम्भावनाएं।
4. विषय का विस्तार।